3) बस्तियों को प्रभावित करने वाले तत्वों को लिखें?

Ans) बस्तियों की स्थिति को निम्नलिखित महत्वपूर्ण तत्व प्रभावित करते हैं:

जल आपूर्ति — जल मानव जीवन के लिए अनिवार्य है और बस्तियाँ नदियों, झीलों, झरनों जैसे जल के स्त्रोतों के निकट ही स्थापित की जाती है ताकि इनसे बस्ती के निवासियों को जल सुगमता से उपलब्ध हो सके। इन जलाशयों से पीने, नहाने, खाना बनाने, वस्त्र धोने, सिंचाई, मत्स्य पालने आदि के लिए जल का प्रयोग किया जाता है।

भूमि — बस्तियाँ बसाने के लिए लोग उपजाऊ भूमि को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि उपजाऊ भूमि कृषि को बढ़ावा देती है। प्राचीनकाल में सभी बस्तियाँ नदी घाटियों की उपजाऊ भूमि पर स्थापित की गई थी। यूरोप में दलदलों एवं निचली भूमियों में नहीं, बल्कि ढलवाँ मैदानी भागों में बस्तियाँ बसाई जाती हैं इसके विपरीत दक्षिणी-पूर्वी एशिया में नदी घाटियों के निम्न भागों एवं तटवर्ती मैदानों के निकटवर्ती भागों में बस्तियाँ बनाई जाती हैं, क्योंकि ये भाग चावल की कृषि के लिए बहुत ही उपयोगी होते हैं।

उच्च भूमि के क्षेत्र — नदी बस्तियों के निम्न क्षेत्रों में बस्तियों को नदी बेसिनों तथा तटबंधों जैसी उच्च भूमियों पर बनाया जाता है, ताकि बाढ़ प्रकोप से बचा जाए और जन-धन की हानि को रोका जा सके। उष्ण कटिबंधीय देशों के दलदली क्षेत्रों के निकट लोग अपने मकान स्तंभों पर बनाते हैं जिससे कि बाढ़ एवं कीड़े-मकोड़ों से बचा जा सके।

Scanned with CamScanner

Geography

Date 3/10/19

Ch-10 मानव बस्तीयाँ

①

1) मानव बस्तीओ से आप क्या समझते है!

Ans-) मानव बस्ती का अध्ययन मानव भूगोल का मूल है क्योंकि किसी भी क्षेत्र मे बस्तियों का रूप उस क्षेत्र के वातावरण से मानव का संबंध दर्शाता है एक स्थान जो साधारणतया स्थायी रूप से बसा हुआ हो उसे मानव बस्ती कहते है।

2) बस्तियों का वर्गीकरण कितने भागो मे किया है

Ans-) बस्तियों का वर्गीकरण दो भागों मे किया जाता है

i) ग्रामीण बस्तियाँ

ii) नगरीय बस्तियाँ

i) ग्रामीण बस्तियाँ — ग्रामीण बस्ती अधिक निकटता से तथा प्रत्यक्ष रूप से भूमि से नजदीकी संबंध रखती है। यहाँ के निवासी अधिकतर प्राथमिक गतिविधियों में लगे होते हैं, जैसे - कृषि, पशुपालन एवं मछली पकड़ना आदि इनके प्रमुख व्यवसाय होते है बस्तियों का आकार अपेक्षाकृत छोटा होता है। ग्रामीण बस्तियों को प्रभावित करने वाले कारक निम्नलिखित हैं—

ii) नगरीय बस्तियाँ — तीव्र नगरीय विकास एक नूतन परिघटना है। कुछ समय पूर्व तक बहुत ही कम बस्तियाँ कुछ हजार से अधिक निवासियों वाली थी। प्रथम नगरीय बस्ती लंदन नगर की जनसंख्या लगभग 1810ई० तक 10 लाख हो गई थी। 1982 मे विश्व में करीब 175 नगर 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले थे। 1800 में विश्व की केवल 3 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय बस्तियों में निवास करती थी जबकि वर्तमान समय मे 54 प्रतिशत जनसंख्या नगरो में निवास करती है।

Scanned with CamScanner

2. क्रांस की या चौक पट्टी आकृति – इस प्रकार के गाँवों उन स्थानों पर बसते जहाँ मार्ग चारों ओर से आकार एक-दूसरे के लगभग समकोण पर मिलते हैं। इन गाँवों में चौमुखी दिशाओं में घर बन जाते हैं।

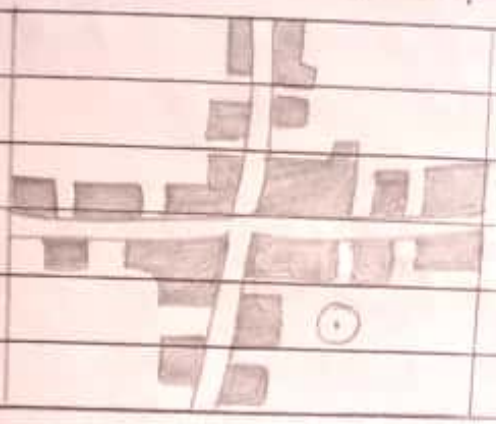

क्रांस की आकृति

3. तारक आकृति (Star-like Pattern) – कई बार एक गाँव के मध्य से कई सड़कें विभिन्न दिशाओं को जाती हैं या विभिन्न दिशाओं से आकार गाँव में मिलती हैं। ऐसी स्थिति में मकान सड़कों के किनारों पर बन जाते हैं। इस प्रकार विकसित गाँव की आकृति तारानुमा बन जाती है, जिसे तारक आकृति कहते हैं।

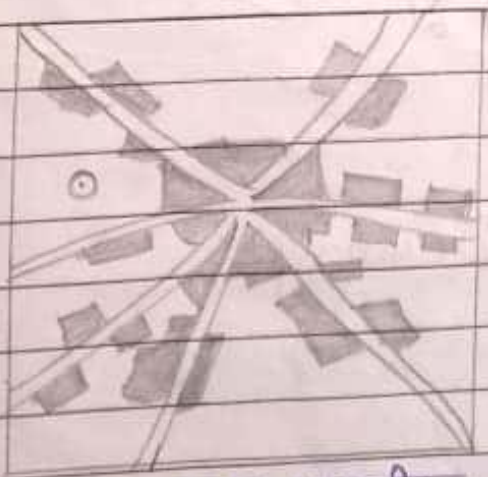

तारक आकृति

Scanned with CamScanner

Geography

(7)

6. युग्म या दोहरी आकृति — जब कभी कोई सड़क नदी या नहर को पुल द्वारा पार करती है, तो सड़क तथा नदी दोनों के किनारों पर मकान बन जाते हैं। ऐसी बस्ती को युग्म आकृतिवाली बस्ती कहते हैं।

Drawing

7) ग्रामीण बस्तिओं के समस्याओ को लिखें।

Ans-> ग्रामीण बस्तियों के निवासियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है और विकासशील देशों में ये समस्याएँ अधिक गंभीर हैं। मुख्य समस्याएँ जल, सामान्य जनसुविधाएँ उचित घरों तथा सड़कों के अभाव के कारण होती हैं।

i) जल — ग्रामीण इलाकों में जल - आपूर्ति की व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। पर्वतीय एवं शुष्क क्षेत्रों के ग्रामवासियों को पेय - जल घर लाने के लिए लंबी दूरियाँ तय करनी पड़ती हैं जल में कई अशुद्धियाँ होती हैं, जिससे हैजा, पीलिया आदि कई जल जनित बीमारियाँ फैल जाती हैं दक्षिण एशिया के देशों में प्रायः बाढ़ तथा सूखे का प्रकोप बना रहता है और कृषि उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

Scanned with CamScanner

Geography

(4)

i) विन्यास के आधार पर – इनके मुख्य प्रकार है- मैदानी ग्राम, पठारी ग्राम, तटीय ग्राम, वन ग्राम एवं मरुस्थलीय ग्राम।

ii) कार्य के आधार पर – कार्य के आधार पर कृषि ग्राम, मछुवारों के ग्राम, लकड़हारों के ग्राम, पशुपालक ग्राम आदि प्रमुख है।

iii) बस्तियों की आकृति के आधार पर – इसमें कई प्रकार की ज्यामितिक आकृतियाँ हो सकती है, जैसे कि रेखीय, आयताकार, वृत्ताकार, तारे के आकार की (1) 'टी' के आकार की, चौक पट्टी, दोहरे ग्राम इत्यादि।

5) ग्रामिण बस्तियों के समस्याओं को लिखें।

Ans-

1. लम्बवत् अथवा रैखिक आकृति (The linear Pattern) – ऐसे गाँवों में मकान किसी सड़क, रेल, नहर या नदी के किनारे पर पाए जाते है ऐसे गाँव में मुख्य गलियाँ सड़क, रेल या नदी आदि के समानान्तर होती है। गाँव की अधिकांश दुकानें इसी मुख्य गली में होती है यह प्रतिरूप सागरीय तटों पर भी पाया जाता है।

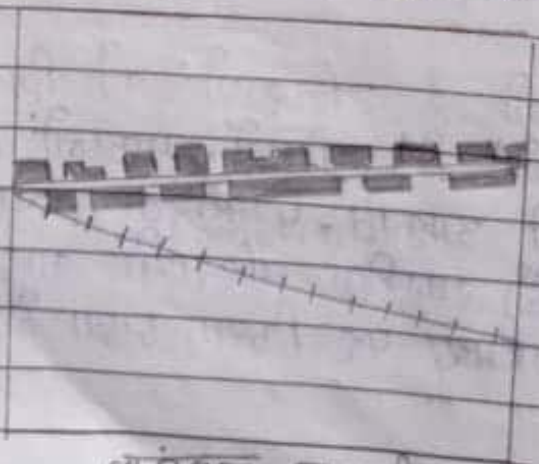

लंबवत् आकृति

Geography

(3)

गृह निर्माण सामग्री — गृह निर्माण के लिए सामान्यतः स्थानीय रूप में मिलनेवाली सामग्री का प्रयोग किया जाता है इनमें पत्थर, लकड़ी, मिट्टी, सरकंडे आदि प्रमुख है वन क्षेत्रों में लकड़ी प्रचुर मात्रा में मिलती है और निर्माण के लिए मुख्यतः लकड़ी का ही प्रयोग किया जाता है।

सुरक्षा — बस्ती का निर्माण करते समय सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाता है और बस्तियाँ सुरक्षित स्थानों पर ही बनाई जाती है। राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध, उपद्रव आदि की स्थिति में गाँवो को सुरक्षात्मक पहाड़ियों एवं द्वीपों के पर बसाया जाता था भारत में अधिकांश दुर्ग उच्च स्थानों एवं पहाड़ियों पर ही स्थित है। नाइजीरिया में खड़े इंसेलबर्ग अच्छी सुरक्षित स्थिति प्रदान करते है।

नियोजित बस्तियाँ — इन बस्तियों का निर्माण स्वंय ग्रामवासी नहीं करते, बल्कि सरकार द्वारा नियोजित ढंग से किया जाता है। इन बस्तियों के निवासियों को आवास, जल तथा अन्य अवसंरचना आदि सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। इथोपिया में सरकार द्वारा ग्रामीणीकरण योजना एवं भारत में इंदिरा गाँधी नहर के क्षेत्र में नहरी बस्तियों का विकास इसके अच्छे उदाहरण है।

प्र) ग्रामिण बस्तियों के प्रतिरूपों को लिखें।

Ans → ग्रामीण बस्तियों में गलियों, मकानों तथा अन्य कार्यों का विन्यास, इसकी आकृति, पर्यावरण तथा संस्कृति से संबंधित होता है। ग्रामीण बस्तियों का वर्गीकरण कई मापदंडो के आधार पर किया जाता है।

Scanned with CamScanner

4. T- आकार की आकृति — ये गाँव तिराहों पर बसते हैं, जहाँ पर एक मार्ग दूसरे मार्ग से लगभग समकोण पर आकर मिलते हैं। इन बस्तियों का आकार अंग्रेजी के अक्षर T से मिलता है, जिस कारण इन्हें T- आकार की बस्तियाँ कहते हैं

Drawing

5. गोलाकार आकृति (circular Pattern) — इसे वृत्तीय प्रतिरूप भी कहते हैं। जब कभी किसी झील या तालाब के किनारे मकान बन जाते हैं। जब कभी किसी झील या तालाब के किनारे मकान बन जाते हैं, तो गाँव की गोलाकार आकृति होती है। यह प्रतिरूप किसी हरे-भरे मैदान में भी मिलता है ऐसे क्षेत्र में गाँव के निवासी अपना मकान जल के समीप बनाना चाहते हैं।

Drawing

Scanned with CamScanner